AMITY®

(Systemic and Contact Fungicide)

HEXACONAZOLE 4% + ZINEB 68% WP

Hexaconazole 4% + Zineb 68% WP (Wettable Powder) is a broad spectrum systemic and contact fungicide.

Recommendations for use :

Crop	Diseases	Dosage / hectare a.i. (gram)	Formulation (gram)	Water (Litre)	Waiting period Between last Spray and harvest (days)
Paddy	Sheath Blight, Brown Spot, Blast, Grain discolouration	(40+680)-(50+850)	1000-1250	500	34
Tea	Black Rot, Grey Blight Blister Blight	25+425	625	250-500	7
Apple	Scab, Premature leaf fall, Alternaria leaf spot / blight, Powdery mildew, Core rot	200 + 3400	0.25% or 25 gm/10 lit. water	10 lit/ Tree	30
Maize	Maydis Leaf Blight, Turcicum Blight	50+850	1250	500	43
Cotton	Leaf Spot, Boll Rot	50+850	1250	500	23

Time of Application, manner of use and the plant protection equipment to be used: The product should be sprayed immediately on appearance of disease symptoms. As per recommendation, mix the pesticide and water at right dosage and spray. Spray by using high volume sprayer viz. Knapsack sprayer. Use 250-500 litres water per hectare for paddy, tea, maize, cotton and 10 lit./tree for apple. Before spraying the pesticide it's suspension should be mixed well with a wooden stick. **Phytotoxicity:** The Product is non-phytotoxic when used as per recommendation. **Precautions :** 1. Avoid contact with mouth, eyes and skin. 2. Avoid inhalation while spraying. 3. Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying. 4. Do not smoke, drink, eat nor chew anything while spraying. 5. Wear full protective clothing while handling. 6. The product is toxic to fish and aquatic invertebrates and thus should be avoided near aquaculture. **Symptoms of Poisoning :** Nervousness, anxiety, tremors, convulsion and allergic manifestations. **First Aid Measure :** 1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomit is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious. 2. If clothing and skin are contaminated, remove the clothes and wash the contaminated skin with copious amount of soap and water. 3. If eyes are contaminated, flush with plenty of clean water for about 10 to 15 Minutes. 4. If inhaled, get the victim into fresh air. **Antidote :** No specific antidote. Treat symptomatically. **Storage :** The package containing the fungicide should be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or should be kept in separate almirahs under lock and key depending upon the quantity and nature of the fungicide. The rooms or premises meant for storing the fungicides should be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapour. **Disposal of used container:** Packages or surplus materials and washings from the machines and containers shall be disposed off in such a manner so as to prevent environmental or water pollution. The used packages should not be left outside to prevent their re-use. Package should be buried away from habitation and source of water. **Chemical Composition : Components Contents (% w/w)** Hexaconazole a.i: 4.00, Zineb a.i.: 68.00, Sodium Ligno Sulphonate (Dispersing agent-1): 4.00, Sulfonated naphthalene condensate sodium salt (Dispersing agent-2): 3.00, Sodium alkyl naphthalene sulfonate (Wetting agent): 1.50, Silica (Fillers): 2.00, Sucrose (Fillers): Q.S., **Total: 100.00.**

English

एमिटी

(अन्तर्वाही एवम् स्पर्शीय फफूंदनाशक)

हेक्साकोनाजोल ४% + झायनेब ६८% डब्लु पि

हेक्साकोनाजोल ४% + झायनेब ६८% डब्लु. पि. (घुलनशील चूर्ण) यह एक बृहत्कार्यक्षमता अंतरप्रवाही और स्पर्शी फफूंदनाशक है।

प्रयोग के लिए निर्देश :

फसल	रोग	मात्रा / हेक्टर सक्रिय तत्व (ग्राम)	रचना (ग्राम)	पानी (लिटर)	अंतिम छिड़काव तथा काटने के बिच प्रतिक्षा का समय (दिन)
धान	पर्णाच्छद अंगमारी, भूरी चित्ती, सहसमारी रोग, दोनों का बदरंग होना	(४०+६८०) (५०+८५०)	१०००-१२५०	५००	३४
चाय	काली सड़न, भूरराव अंगमारी, फफोला अंगमारी	२५+४२५	६२५	२५०-५००	७
सेब	कच्छु, असमयिक पत्तझड़, अल्टरनारिया पर्ण चित्ती/अंगमारी, चूर्ण फफूंदी, कोअर रोट	२००+ ३४००	०.२५% तथा २५ ग्रा/१० लिटर पानी मे	१० लिट. प्रति पेड़	३०
मक्का	मेडिस लीफ ब्लाइट, टर्सिकम ब्लाईट	५०+८५०	१२५०	५००	४३
कपास	पर्ण चित्ती / बोल सड़ांध	५० + ८५०	१२५०	५००	२३

उपयोग का समय, इस्तमाल का तरीका, उपयोग करनेवाला पादकरक्षक साधन : इस का प्रयोग रोग के लक्षण दिखने पर तुरन्त छिड़काव करें। निर्देश अनुसार फफूंदनाशक एवम् पानी का उचित मात्रा में मिश्रण कर के छिड़काव करें। एक हेक्टर में चाय, धान, मक्का और कपास के लिये २५० से ५०० लिटर पानी का उपयोग करें तथा सेब के लिये १० लिटर प्रति पेड़ पानी का उपयोग करें दवा के छिड़काव से पहले, इसके घोलको अच्छी तरह एक लकड़ी द्वारा मिला लें। **वनस्पति दुष्परीणाम :** सुझाव के अनुसार दवा का प्रयोग करने से,फसल को कोई हानी नही पहुँचती है। **सावधानियाँ:** १.मुंह, आँखों और त्वचा के संम्पर्क से बचायें। २. छिड़काव करते समय साँस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। ३. छिड़काव करने के बाद दूषित कपडो और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं। ४. छिड़काव के समय धुम्रपान खाना तथा कुछ भी चबाना नही चाहिए। ५. प्रयोग करते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपडे पहनें। ६. यह उत्पाद मछली और रीढ़विहीन जलचरों के लिए विषैला है इसलिये इसका उपयोग मत्स्यपालन क्षेत्र के पास करने से बचें। **विष के लक्षण :** घबराहट परेशानी ऐठन कंपकंपी और एलर्जी के लक्षण प्रकट हो सकते है। **प्राथमिक चिकीत्सा:** १. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी करायें यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न करायें। २. यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडे उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबून और पानी से धोएं। ३. यदि आँखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में साफ पानी से लगभग १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि श्वास द्वारा अन्दर गये है। तो रोगी को तुरंत शुध्द वायु में ले जाएं। **विष निदान:** कोई विशेष विषनिवारक उपलब्ध नही है। लक्षणानुसार इलाज करें। **भंडारण :** फफूंदनाशक दवाईयों को उनके प्रकार और प्रमाण के अनुसार अलग अलग कमरे में अथवा तालाबंद अलमारीयों में रखिए। फफूंदनाशक दवा के जगह चाय या पीनेवाली वस्तुऐं या चीजों न रखें। जिस जगह दवा का भंडारण करना हो वो जगह या कमरा अच्छी तरह बंधा हुआ, सूखा, पर्याप्तरोशनीयुक्त तथा आवाजीत में लन्बा हो ताकी दवा की भंडारण से प्रदूषण का डर ना हो। **उपयोग के पश्चात खाली डिब्बों का निवारण:** खाली डिब्बे, बची हुई दवा और छिड़काव मशीन धोने के बाद का पानी इस तरह से नाश करें जिससे पानी और वातावरण दूषित न हो। उपयोग किए गए डिब्बों को बाहर ना छोड़े ताकि उनका दुबारा उपयोग न हो। डिब्बों को बस्ती और पानी के स्रोत से दूर जमीन में गाड दे। **रसायनिक संरचना: संरचना प्रमाण (भार/भार)**हेक्साकोनाजोल सक्रिय तत्व: ४.००, झायनेब सक्रिय तत्व: ६८.००, सोडीयम लिग्नो सल्फोनेट (डिस्पर्सरिंग एजंट-१): ३.००, सल्फोनेटेड नाफ्थालेन कन्डेन्सेट सोडीयम सोल्ट (डिस्पर्सरिंग एजंट-२): ३.००, सोडीअम अल्कील नाफ्थालेन सल्फोनेट (वेटींग एजंट): १.५०, सिलिका (फीलर्स): २.००, सुक्रोस (फीलर्स): पर्याप्त मात्रा, **कुल भार: १००.००.**

Hindi

एमिटी

आंतरप्रवाही आणि स्पर्शयुक्त बुरशीनाशक

हेक्साकोनाझोल ४% + झायनेब ६८% डब्ल्यू पी

हेक्साकोनाझोल ४% + झायनेब ६८% डब्ल्यू.पी. हे विस्तृत आवाका असलेले आंतरप्रवाही आणि स्पर्शव्यय बुरशीनाशक आहे.

वापरासाठी शिफारशी:

पीक	रोग	दर हेक्टरी मात्रा स.घ. (ग्राम)	रसायन (ग्राम)	पाणी (लिटर)	शेवटच्या फवारणीपासून पीक तयार होईपर्यंतचा प्रतिक्षा कालावधी (दिवस)
भात	पर्णाच्छादावरील करपा, तपकिरी ठिपके, करपा, दाण्यावरील काजळी	(४०+६८०)-(५०+८५०)	१०००-१२५०	५००	३४
चहा	काळी कुजन, तपकिरी करपा, स्लीस्टर ब्लाईट	२५+४२५	६२५	२५०-५००	७
सफरचंद	कच्छु, असमयिक पानझड, अल्टरनारिया पर्ण चित्ती/अंगमारी, चूर्ण फफूंदी, कोअर रोट	२००+ ३४००	०.२५% तथा २५ ग्रा/१० लिटर पानी मे	१० लिट. प्रति पेड	३०
मक्का	मेडिस लीफ ब्लाईट, टर्सिकम ब्लाईट	५०+८५०	१२५०	५००	४३
कपास	पर्ण चित्ती / बोल सडांध	५० + ८५०	१२५०	५००	२३

उपयोग का समय, इस्तमाल का तरीका, उपयोग करनेवाला पादकरक्षक साधन : इस का प्रयोग रोग के लक्षण दिखने पर तुरन्त छिड़काव करें। निर्देश अनुसार फफूंदनाशक एवम् पानी का उचित मात्रा में मिश्रण कर के छिड़काव करें। एक हेक्टर में चाय, धान, मक्का और कपास के लिये २५० से ५०० लिटर पानी का उपयोग करें तथा सेब के लिये १० लिटर प्रति पेड़ पानी का उपयोग करें दवा के छिड़काव से पहले, इसके घोलको अच्छी तरह एक लकडी द्वारा मिला लें। **वनस्पति दुष्परीणाम :** सुझाव के अनुसार दवा का प्रयोग करने से,फसल को कोई हानी नही पहुँचती है। **सावधानियाँ:** १.मुंह, आँखों और त्वचा के संम्पर्क से बचायें। २. छिड़काव करते समय साँस द्वारा अन्दर जाने से बचायें। ३. छिड़काव करने के बाद दूषित कपडो और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं। ४. छिड़काव के समय धुम्रपान खाना तथा कुछ भी चबाना नही चाहिए। ५. प्रयोग करते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपडे पहनें। ६. यह उत्पाद मछली और रीढ़विहीन जलचरों के लिए विषैला है इसलिये इसका उपयोग मत्स्यपालन क्षेत्र के पास करने से बचें। **विष के लक्षण :** घबराहट परेशानी ऐठन कंपकंपी और एलर्जी के लक्षण प्रकट हो सकते है। **प्राथमिक चिकीत्सा:** १. यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उल्टी करायें यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उल्टी द्वारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए। यदि मरीज बेहोश हो तो उल्टी न करायें। २. यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडे उतार दें और त्वचा को काफी मात्रा में साबून और पानी से धोएं। ३. यदि आँखे दूषित हो जाये तो उनको काफी मात्रा में साफ पानी से लगभग १०-१५ मिनट तक धोएं। ४. यदि श्वास द्वारा अन्दर गये है। तो रोगी को तुरंत शुध्द वायु में ले जाएं। **विष निदान:** कोई विशेष विषनिवारक उपलब्ध नही है। लक्षणानुसार इलाज करें। **भंडारण :** फफूंदनाशक दवाईयों को उनके प्रकार और प्रमाण के अनुसार अलग अलग कमरे में अथवा तालाबंद अलमारीयों में रखिए। फफूंदनाशक दवा के जगह चाय या पीनेवाली वस्तुऐं या चीजों न रखें। जिस जगह दवा का भंडारण करना हो वो जगह या कमरा अच्छी तरह बंधा हुआ, सूखा, पर्याप्तरोशनीयुक्त तथा आवाजीत में लन्बा हो ताकी दवा की भंडारण से प्रदूषण का डर ना हो। **उपयोग के पश्चात खाली डिब्बों का निवारण:** खाली डिब्बे, बची हुई दवा और छिड़काव मशीन धोने के बाद का पानी इस तरह से नाश करें जिससे पानी और वातावरण दूषित न हो। उपयोग किए गए डिब्बों को बाहर ना छोड़े ताकि उनका दुबारा उपयोग न हो। डिब्बों को बस्ती और पानी के स्रोत से दूर जमीन में गाड दे। **रसायनिक संरचना: संरचना प्रमाण (भार/भार)**हेक्साकोनाजोल सक्रिय तत्व: ४.००, झायनेब सक्रिय तत्व: ६८.००, सोडीयम लिग्नो सल्फोनेट (डिस्पर्सरिंग एजंट-१): ३.००, सल्फोनेटेड नाफ्थालेन कन्डेन्सेट सोडीयम सोल्ट (डिस्पर्सरिंग एजंट-२): ३.००, सोडीअम अल्कील नाफ्थालेन सल्फोनेट (वेटींग एजंट): १.५०, सिलिका (फीलर्स): २.००, सुक्रोस (फीलर्स): पर्याप्त मात्रा, **कुल भार: १००.००.**

Marathi

अमिटी

आंतरप्रवाही अने स्पर्शीय ફૂગનાશક

હેક્સાકોનાઝોલ ૪% + ઝાયનેબ ૬૮% ડબ્લ્યુ પી

હેક્સાકોનાઝોલ ૪% + ઝાયનેબ ૬૮% ડબ્લ્યુ.પી. (વેટેબલ પાવડર) બહુઆયામી અસર ધરાવતું આંતરપ્રવાહી અને સ્પર્શીય ફૂગનાશક છે.

ઉપયોગ માટે ભલામણ:

પાક	રોગ	હેક્ટર દીઠ માત્રા એ.આઈ. (ગ્રા)	સંરચના (ગ્રા)	પાણી (લિટર)	છેલ્લો છંટકાવ અને લણણી વચ્ચે થોભવાનો સમયગાળો (દિવસો)
ડાંગર	શિથ બ્લાઇટ, ભૂખરા ટપકાં, હોલ્સ સ્પોટ, કમોડી	(૪૦+૬૮૦)-(૫૦+૮૫૦)	૧૦૦૦-૧૨૫૦	૫૦૦	૩૪
ચા	કાળી સડો, રાખોડી ટપકાં, બ્લીસ્ટર બ્લાઇટ	૨૫+૪૨૫	૬૨૫	૨૫૦-૫૦૦	૭
સફરજન	સ્કેબ, અકાલે ઝીણાં પાનગળ, પાન અને ફળની સડો/સુકારો, ભૂકી છારો, ફળ્યે ગોબાઇ સડો	૨૦૦+૩૪૦૦	૦.૨૫% કિલો ૨૫ ગ્રામ/૧૦ લિ. પાણી	૧૦ લિ./ ઝાડે	૩૦
મકા	મેઝીસ પાનબ્લીચ કરચા, ટર્સિકમ કરચા	૫૦+૮૫૦	૧૨૫૦	૫૦૦	૪૩
કપાસ	ભાલ્લ ઝીણા ટપકાં, કમોડી, કાઉન્ડ	૫૦+૮૫૦	૧૨૫૦	૫૦૦	૨૩

છંટકાવનો સમય, ઉપયોગની પદ્ધતિ અને તોડ સુરક્ષા ઉપકરણનો ઉપયોગ: આ ઉત્પાદ રોગનાં લક્ષણો દિસ્યાં કે તરતજ છંટકાવ કરવું જોઇએ. ભલામણ અનુસાર જંતુનાશક અને પાણી યોગ્ય માત્રામાં મિશ્રણ કરી અને છંટકાવ કરો. ખેપાને ઓછા જોઇ કાઇ વોલ્યુમનું સ્પ્રેયરનો ઉપયોગ કરી છંટકાવ કરો. ડાંગર, મકાઈ અને ઇયાટ માટે હેક્ટર દીઠ ૫૦૦ લિટર પાણીનો ઉપયોગ કરો. ચા માટે હેક્ટર દીઠ ૨૫૦- ૫૦૦ લિટર પાણી અને સફરજન માટે ઝાડ દીઠ ૧૦ લિટર પાણીનો ઉપયોગ કરો. છંટકાવ પૂર્વે જંતુનાશકનું મિશ્રણ લાકડીથી બરોબર હલાવી લેવું જોઇએ. **કાયટોટોક્સિસિટી:** આ ઉત્પાદ ભલામણ અનુસાર ઉપયોગ કરાય તો કાયટોટોક્સિક નથી. **સાવચેતીઓ:** ૧. મોં, આંખો અને ત્વચા સાથે સંપર્ક થતા ટાળો. ૨. છંટકાવ સમયે શ્વાસમાં નહીં જાય તેનું ધ્યાન રાખો. ૩. છંટકાવ કર્યા પછી દૂષિત કપડાં અને શરીરના ભાગો બરોબર ધુઓ. ૪. છંટકાવ કરતી વખતે ખાવું, પીવું, ચાવવું કે ધૂમ્રપાન કરવું નહીં. ૫. હાથ ધરવા સમયે સંપૂર્ણ સંરક્ષણાત્મક કપડાં પહેરે. ૬. આ ઉત્પાદન માછલાં અને દરિયાઈ જીવો માટે ઝેરી છે અને તેથી મત્સ્યપાલન કરાતું હોય ત્યાં ઉપયોગ ટાળવો જોઇએ. **ઝેર તાગવાનાં લક્ષણોઃ** ગભરાહટ, બેચેની, કંપારી, આંકડી અને એલર્જિક રોગ. **પ્રાથમિક ઉપચારમાં પગલાંઃ** ૧. જો ગળી જવામાં તો ગળાની પાછળના ગલગળી કરીને ઊલટી કરાવો. ઊલટી સાફ નહીં થાય ત્યાં સુધી તે દોહરાવો. જો દરદી બેભાન હોય તો બળજબરીથી ઊલટી નહીં કરાવતા. ૨. જો કપડાં અને ત્વચા દૂષિત થાય તો કપડાં કાઢી નાખી દૂષિત ત્વચા પુષ્કળ સાબુ અને પાણીથી બરોબર ધુઓ. ૩. જો આંખો દૂષિત થાય તો ૧૦ થી ૧૫ મિનિટ સુધી પુષ્કળ સ્વચ્છ પાણીની છાલક મારી સાફ કરો. ૪. જો શ્વાસમાં જાય તો દરદીને શુદ્ધ હવામાં લઈ જાવો. **ઝેરનું મારણઃ** કોઈ ચોક્કસ મારણ જરૂરી નથી. લક્ષણો અનુસાર આપો. **સંગ્રહની સ્થિતિઓઃ** ફૂગનાશકોની સમાવેશ ધરાવતું પેકેજ એ તેમાંની ફૂગનાશકોની માત્રાને આધારે ખાસ કરીને ખાદ્ય સહિત અન્ય સામગ્રીઓનો સંગ્રહ કરવા માટે ઉપયોગ કરાતાં સંકુલોના રૂમથી દૂર અલગ રૂમ અથવા સંકુલોમાં સંગ્રહ કરવો જોઇએ અથવા મૂળ ડબ્બામાં અંગત રૂમોને તે તાળાં-ચાવી મારી શકાય એવા કબાટમાં રાખવાં. ફૂગનાશકોના સંગ્રહ કરવા માટેનો રૂમ કે સંકુલમાં સારો ઉજાશ હોવો જોઇએ, જગ્યા સૂકી અને હવાઉજાશવાળી હોય જોઇએ અને બાષ્પથી પ્રદૂષણ ટાળવા માટે જગ્યા પૂરતી હોવી જોઇએ. **ઉપયોગ કરેલા ડબ્બાઓનો નિકાલઃ** પેકેજો કે વધારાની સામગ્રી અને મશીનો તથા ડબ્બાઓના ધોવાતાનું પાણી સુરક્ષિત રીતે નિકાલ કરવાં, જેથી પર્યાવરણીય કે પાણી પ્રદૂષણ ટળે. ઉપયોગ કરેલાં પેકેજો ફરીથી ઉપયોગ થવાનું ટાળવા માટે તેનો બહાર ખુલ્લામાં નહીં છોડી દેવાં. પેકેજ માનવી વસાહતથી દૂર અને જળના સોતથી દૂર બાળી નાખવું જોઇએ. **રાસાયણિક સંયોજનઃ ઘટકોની માત્રા (મ/મ ભાર/મ), ઇ.એ.આઈ.એ.આઈ.:** ૪.૦૦, ઝાયનેબ, એ.આઈ.: ૬૮.૦૦, સોડિયમ લિગ્નો સલ્ફોનેટ (ડિસ્પર્સિંગ એજન્ટ – ૧): ૪.૦૦, સલ્ફોનેટેડ નેપ્થાલિનન કન્ડેન્સેટ સોડિયમ સોલ્ટ (ડિસ્પર્સિંગ એજન્ટ – ૨): ૩.૦૦, સોડિયમ આલ્કાઈલ નેપ્થાલિન સલ્ફોનેટ (વેટિંગ એજન્ટ): ૧.૫૦, સિલિકા (ફિલર્સ): ૨.૦૦, સુક્રોઝ (ફિલર્સ): ક્યુ.એસ., **કુલઃ૧૦૦.૦૦.**

Gujarati

अमिटी

अंतरप्रवाही अने स्पर्शीय ફૂગનાશક

હેક્સાકોનાઝોલ ૪% + ઝીંક ૬૮% ડબલ્યુપી

હેક્સાકોનાઝોલ ૪% + ઝીંક ૬૮% ડબલ્યુપી (ઘુલનશીલ ચૂર્ણ) એક વિશાલ ક્ષેત્રનાં ફ્રાયો ધરાવતાં આંતરપ્રવાહી અને સ્પર્શીય ફૂગનાશક છે.

વરતવ્ય લઇ વિદાત્રિક્ર:

બ્રાન્ડ	રોગ	માત્રા/ પ્રતી એકર બિ.ડ. (ગ્રા.)	ઝ્રાવ્યૂ. (ગ્રા.)	પાણી (લીટર)	સૌથી છેલ્લી વરાણી અને કાપણી વચ્ચેનો ઘોળવાનો સમયગાળો (દિવસો)
ઉંચા	ઘેલ અંગમારી, ઘૂસર દાગ, ઘુલમાં, દાંતે દી ઘરંગી	(૪૦+૬૮૦)-(૫૦+૮૫૦)	૧૦૦૦-૧૨૫૦	૫૦૦	૩૪
ચા	કાલા સાઙટ, સ્ટોટી અંગમરી, ઘસિકાલ અંગમરી	૨૫+૪૨૫	૬૨૫	૨૫૦-૫૦૦	૭
સેબ	પેપડી, પુવરવખંડોવર પંડી ઘસ્ટા, અલટરનેરીબ્રા પંડી ઘચા/અંગમરી, ઘુસરી ઘઙુંતી, ચેર વરાટ	૨૦૦+૩૪૦૦	૦.૨૫% કિલો ૨૫ ગ્રા./૧૦ લિ. પાણી	૧૦લી./ઝાડ	૩૦
મંકી	મ્યાગડિમ પંડ્રા ઘસ્ટાંટ, ટર્સિકમ ઘસ્ટાંટ	૫૦+૮૫૦	૧૨૫૦	૫૦૦	૪૩
કપ્રા	પંડ્રા ઘેમ, ઘેલ સાઙ	૫૦+૮૫૦	૧૨૫૦	૫૦૦	૨૩

વરતવ્ય લઇ વિદાત્રિક્ર અને વરતવ્ય લઇ મ્યાનિંગ: રોગ દે લેંક્રડ દિસવિઅાં તી ક્રિઙ્રવ્યે કરે। પ્રસ્તુષ્ઠ અનુસાર સી મ્પરવા ઙિંદ્ય વદાઙી અરે પ્રતી મિલ્રાવે ક્રિઙ્રવે। ઘ્રાદી વાર્ષિલ્યિ સ્પ્રેમ્પર ઙેપમેંવ સ્પ્રેમ્પર તી વરતવ્ય લઇ। ઘેરે, મેંમી અને કપ્રા લઇી પ્રતી પ્રતી ઘેક્ટેમર ૫૦૦ લિટર પાણી ત્ય ઉપ્યોગ કરો. ચ્રા લઇી ૫૦૦-૧૦૦૦ લિટર પાણી અને સફરજન માટે ઝાડ દીઠ ૧૦ લિટર પાણીનો ઉપયોગ કરો. છંટકાવ પૂર્વે જંતુનાશકનું મિશ્રણ લાકડીથી બરોબર હલાવી લેવું જોઇએ. **કાયટોટોક્સિસિટી:** આ ઉત્પાદ ભલામણ અનુસાર ઉપયોગ કરાય તો કાયટોટોક્સિક નથી. **સાવચેતીઓ:** ૧. મોં, આંખો અને ત્વચા સાથે સંપર્ક થતા ટાળો. ૨. છંટકાવ સમયે શ્વાસમાં નહીં જાય તેનું ધ્યાન રાખો. ૩. છંટકાવ કર્યા પછી દૂષિત કપડાં અને શરીરના ભાગો બરોબર ધુઓ. ૪. છંટકાવ કરતી વખતે ખાવું, પીવું, ચાવવું કે ધૂમ્રપાન કરવું નહીં. ૫. હાથ ધરવા સમયે સંપૂર્ણ સંરક્ષણાત્મક કપડાં પહેરે. ૬. આ ઉત્પાદન માછલાં અને દરિયાઈ જીવો માટે ઝેરી છે અને તેથી મત્સ્યપાલન કરાતું હોય ત્યાં ઉપયોગ ટાળવો જોઇએ. **ઝેર તાગવાનાં લક્ષણોઃ** ગભરાહટ, બેચેની, કંપારી, આંકડી અને એલર્જિક રોગ. **પ્રાથમિક ઉપચારમાં પગલાંઃ** ૧. જો ગળી જવામાં તો ગળાની પાછળના ગલગળી કરીને ઊલટી કરાવો. ઊલટી સાફ નહીં થાય ત્યાં સુધી તે દોહરાવો. જો દરદી બેભાન હોય તો બળજબરીથી ઊલટી નહીં કરાવતા. ૨. જો કપડાં અને ત્વચા દૂષિત થાય તો કપડાં કાઢી નાખી દૂષિત ત્વચા પુષ્કળ સાબુ અને પાણીથી બરોબર ધુઓ. ૩. જો આંખો દૂષિત થાય તો ૧૦ થી ૧૫ મિનિટ સુધી પુષ્કળ સ્વચ્છ પાણીની છાલક મારી સાફ કરો. ૪. જો શ્વાસમાં જાય તો દરદીને શુદ્ધ હવામાં લઈ જાવો. **ઝેરનું મારણઃ** કોઈ ચોક્કસ મારણ જરૂરી નથી. લક્ષણો અનુસાર આપો. **સંગ્રહની સ્થિતિઓઃ** ફૂગનાશકોની સમાવેશ ધરાવતું પેકેજ એ તેમાંની ફૂગનાશકોની માત્રાને આધારે ખાસ કરીને ખાદ્ય સહિત અન્ય સામગ્રીઓનો સંગ્રહ કરવા માટે ઉપયોગ કરાતાં સંકુલોના રૂમથી દૂર અલગ રૂમ અથવા સંકુલોમાં સંગ્રહ કરવો જોઇએ અથવા મૂળ ડબ્બામાં અંગત રૂમોને તે તાળાં-ચાવી મારી શકાય એવા કબાટમાં રાખવાં. ફૂગનાશકોના સંગ્રહ કરવા માટેનો રૂમ કે સંકુલમાં સારો ઉજાશ હોવો જોઇએ, જગ્યા સૂકી અને હવાઉજાશવાળી હોય જોઇએ અને બાષ્પથી પ્રદૂષણ ટાળવા માટે જગ્યા પૂરતી હોવી જોઇએ. **ઉપયોગ કરેલા ડબ્બાઓનો નિકાલઃ** પેકેજો કે વધારાની સામગ્રી અને મશીનો તથા ડબ્બાઓના ધોવાતાનું પાણી સુરક્ષિત રીતે નિકાલ કરવાં, જેથી પર્યાવરણીય કે પાણી પ્રદૂષણ ટળે. ઉપયોગ કરેલાં પેકેજો ફરીથી ઉપયોગ થવાનું ટાળવા માટે તેનો બહાર ખુલ્લામાં નહીં છોડી દેવાં. પેકેજ માનવી વસાહતથી દૂર અને જળના સોતથી દૂર બાળી નાખવું જોઇએ. **રાસાયણિક સંયોજનઃ ઘટકોની માત્રા (મ/મ ભાર/મ),** ઇ.એ.આઈ.એ.આઈ.: ૪.૦૦, ઝાયનેબ, એ.આઈ.: ૬૮.૦૦, સોડિયમ લિગ્નો સલ્ફોનેટ (ડિસ્પર્સિંગ એજન્ટ – ૧): ૪.૦૦, સલ્ફોનેટેડ નેપ્થાલિનન કન્ડેન્સેટ સોડિયમ સોલ્ટ (ડિસ્પર્સિંગ એજન્ટ – ૨): ૩.૦૦, સોડિયમ આલ્કાઈલ નેપ્થાલિન સલ્ફોનેટ (વેટિંગ એજન્ટ): ૧.૫૦, સિલિકા (ફિલર્સ): ૨.૦૦, સુક્રોઝ (ફિલર્સ): ક્યુ.એસ., **કુલઃ૧૦૦.૦૦.**

Punjabi

अमिटी

অন্তর্বাহী এবং পর্শবর্তী ছত্রাকনাশক

হেক্সাকোনাজোল ৪% + জিনেব ৬৮% ডব্লু পি

হেক্সাকোনাজোল ৪% + জিনেব ৬৮% ডব্লু পি (ঘুলনশীল পাউডার) হচ্ছে বহুমুখী এবং স্পর্শজনিত ছত্রাকনাশক।

ব্যবহারের জন্যে সুপারিশ:

ফসল	রোগ	হেক্টর পিছু মাত্রা স.উ (গ্রাম)	ফর্মুলেশন (গ্রাম)	জল (লিটার)	শেষ স্প্রে থেকে ফসল তোলা পর্যন্ত অপেক্ষার সময়কাল (দিন)
ধান	খোলা ঝলসা, বাদামী দাগ, খরসা, দানার বিবর্ণত্ব	(৪০+৬৮০)-(৫০+৮৫০)	১০০০-১২৫০	৫০০	৩৪
চা	কালো পচন, সীসটী অঙ্গমরী, ব্লিস্টারে অঙ্গমরী	২৫+৪২৫	৬২৫	২৫০-৫০০	৭
আপেল	স্কাব, প্রাকৃতিক পাতা ঝরা, অল্টারনেরিয়া পাতার দাগ/ ধসা, পাউডারী মিলডিউ, শীস পচন	২০০+৩৪০০	০.২৫% বা ২৫ গ্রাম/১০ লি. জল	১০ লিঃ/ গাছ	৩০
ভুট্টা	মেডিস পাতা ঝলসা, টুর্সিকম ঝলসা	(৫০+৮৫০)	১২৫০	৫০০	৪৩
তুলা	পাতায় দাগ, বোল পচন	(৫০+৮৫০)	১২৫০	৫০০	২৩

প্রয়োগের সময়, ব্যবহারের ধরণ এবং ব্যবহৃত হবার গাছ সুরক্ষাকারী সরঞ্জাম: রোগের লক্ষণাদি দেখা দেওয়া মাত্রই উৎপাদ স্প্রে করতে হবে। সুপারিশ অনুসারে, সঠিক মাত্রায় ছত্রাকনাশক ও জল মেশাতে এবং স্প্রে করতে হবে। ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ারের মতো উচ্চ ভল্যুম স্প্রেয়ার ব্যবহার করে জল মেশানো স্প্রে করতে হবে। ধান, ভুট্টা এবং তুলোর জন্যে হেক্টর পিছু ৫০০ লিটার জল ব্যবহার করুন। চায়ের জন্যে হেক্টর পিছু ২৫০-৫০০ লিটার জল এবং আপেলের জন্য ১০ লিটার/গাছ জল ব্যবহার করুন। ছত্রাকনাশক স্প্রে করার পূর্বে ছত্রাক দ্রবণ কাঠের দণ্ড দিয়ে ভালোভাবে মেশাতে হবে। **বিষাক্ততা:** সুপারিশ অনুযায়ী ব্যবহৃত হলে উৎপাদ বিষাক্ততা হবার নয়। **সাবধানতা:** ১. মুখ, চোখ ও ত্বকের সংস্পর্শ এড়াবেন। ২. স্প্রে করার সময়ে শ্বাসে যাওয়া এড়াবেন। ৩. স্প্রে করার পর সংক্রামিত পোশাক ও দেহাংশ আগাগোড়া ধুয়ে নেবেন। ৪. স্প্রে করার সময় ধূমপান, পানীয় পান করা, খাওয়া এবং চেবানো নিষেধ। ৫. নাড়াচাড়া করার সময়ে সম্পূর্ণ সুরক্ষামূলক পোশাক পরবেন। ৬. এই উৎপাদ মাছ ও জলজ মেরুদণ্ডহীন জীবদের প্রতি বিষাক্ত এবং তাই জলচরাংর নিকটে এড়াতেই হবে। **বিষাক্ততার লক্ষণাদি:** অস্থিরতা, উৎকণ্ঠা, কাঁপুনি, খেঁচুনি এবং অ্যালার্জিজনিত প্রকাশ। **প্রাথমিক চিকিৎসা:** ১. গিলে ফেললে টাগরায় আঙুল দিয়ে বমি করতে হবেরোগি কিছুক্ষণ বিশ্রাম করবেন। বমির তলদা স্পষ্ট না হওয়া পর্যন্ত এটা বারবার করবেন। রোগী অচেতনা থাকলে বমি করতে প্রয়োচিত করবেন না। ২. পোশাক ও ত্বক সংক্রামিত হ'লে, প্রচুর পরিমাণে সংক্রামিত ত্বক সাবান ও সুষ্টান ও জল দিয়ে ধুয়ে নেবেন। ৩. চোখ সংক্রামিত হ'লে, প্রায় ১০ থেকে ১৫ মিনিট ধরে প্রচুর পরিষ্কার জল দিয়ে ঝাপ্টা দেবেন। ৪. শ্বাসে গেলে, রোগীকে মুক্তবায়ুতে সরিয়ে নিয়ে যান। **প্রতিষেকত্ব:** সুনির্দিষ্ট কোনও প্রতিষেকত্ব জানা নেই। লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা। **মজুতকরণের অবস্থাদি:** ছত্রাকনাশক সম্বলিত প্যাকেজগুলো বিশেষতঃ খাদ্য পদার্থ মজুত করার জন্যে ব্যবহৃত ঘর বা পরিসর থেকে দূরে, পৃথক ঘর বা পরিসরে মজুত করতে হবে অথবা ছত্রাকনাশকের পরিমাণ ও প্রকৃতির ওপর নির্ভর করে পৃথক আলমারিতে তালা বন্ধের অধীনে রাখতে হবে। ছত্রাকনাশক মজুতকরণের জন্যে ব্যবহৃত ঘর বা পরিসর হতে হবে সুনির্মিত, বায়ুহর, সুআলোকিত এবং বাতাহিত আর বাষ্পতা সহযোগে দূষণ এড়াতে পর্যাপ্ত আকতনযুক্ত। **ব্যবহৃত পাত্রের নিবিকরণ:** প্যাকেজ বা উদ্বৃত্ত পদার্থ এবং মেশিনাদি তথা পাত্রাদি ধোয়ার নিয়ত তরলাদি এমন নিরাপদ উপায়ে বিনষ্ট করা যাতে পরিবেশ ও জলের দূষণ প্রতিরোধ হয়। ব্যবহৃত প্যাকেজগুলোর পুনর্ব্যব